समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र व दर्शनशास्त्र

(Sociology and Anthropology & Philosophy)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

समाजशास्त्र

- समाजशास्त्र का संबंध मानव जीवन से है। समाजशास्त्र मानव की अंतःक्रियाओं एवं अंतःसबंधों का अध्ययन करता है। समाजशास्त्र उन अवस्थाओं का अध्ययन करता है जिनमें ये अंतःक्रियाओं व अंतःसंबंध उत्पन्न होते हैं।
- **जॉनसन:** *'समाजशास्त्र वह विज्ञान है जो सामाजिक समूहों, उनके आंतरिक स्वरूपों या संगठन के प्रकारों, उन प्रक्रियाओं का जो संगठन के इन स्वरूपों को बनाये रखने अथवा उन्हें परिवर्तित करने का प्रयत्न करती है तथा समूहों के बीच संबंधों का अध्ययन करता हैं।'*
- **बर्गेस:** *'समाजशास्त्र सामूहिक व्यवहार का विज्ञान हैं।'*
- **वानविज:** *'समाजशास्त्र एक विशेष सामाजिक विज्ञान है, जो अंतर्मानवीय व्यवहारों, सामाजिक सहयोग की प्रक्रियाओं, एकीकरण व पृथक्करण की प्रक्रियाओं पर केंद्रित हैं।'*
- **बार्न्स एवं बेकर:** *'समाजशास्त्र अन्य सामाजिक विज्ञानों की न तो गृहस्वामिनी है और न ही दासी, बल्कि उसकी बहन है।'*

समाजशास्त्र: एक समाज विज्ञान

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र

क्रोबर: समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र जुड़वा बहनें हैं।

हस्कोंविट्स: मानवशास्त्र मनुष्य एवं उनकी कृतियों का अध्ययन है।

बोटोमोर: भारतीय समाज न तो आदिम समाजों के समान पूरी तरह पिछड़ा हुआ है और न ही औद्योगिक समाजों की तरह पूर्णतः विकसित। ऐसे समाजों में समाजशास्त्र व मानवशास्त्र के मध्य अधिक अंतर कोई अर्थ नहीं रखता।

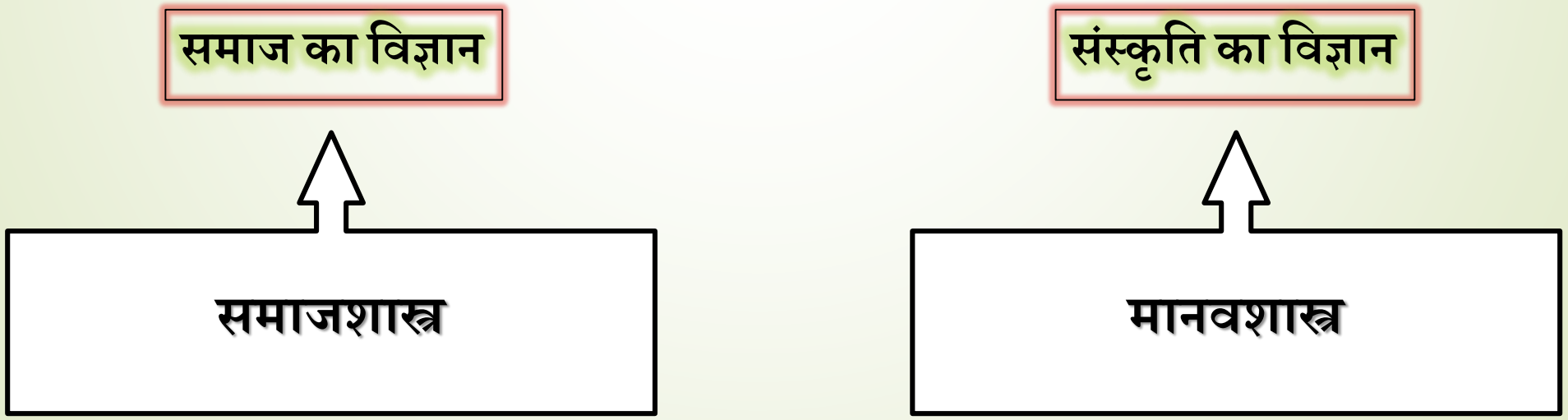

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र: अंतर्संबंध

- **मानवशास्त्र:** शारीरिक मानवशास्त्र (मानव की उत्पत्ति व विकास का अध्ययन)
  सांस्कृतिक मानवशास्त्र (मानवीय कार्यों व सांस्कृतिक तत्वों का अध्ययन)
  सामाजिक मानवशास्त्र (सामाजिक व्यवहार व संस्थाओं के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन)
  पुरातत्व मानवशास्त्र (निरक्षर समाजों का अध्ययन)
- मानवशास्त्र में मानव उद्विकास तथा मानव द्वारा निर्मित संस्कृति, सभ्यता आदि का अध्ययन किया जाता है।

समाजशास्त्र सामाजिक संबंधों का अध्ययन	+	**मानवशास्त्र** मानवीय संबंधों का अध्ययन	=	**सामाजिक मानवशास्त्र** सामाजिक व मानवीय संबंधों का अध्ययन

- **इवान्स प्रिचार्ड:** सामाजिक मानवशास्त्र को समाजशास्त्रीय अध्ययनों की एक शाखा कहा जा सकता है, जो प्रमुखतः अपने को आदिम समाजों के अध्ययन में लगाती है।
- **हॉबल:** विस्तृत अर्थों में समाजशास्त्र तथा सामाजिक मानवशास्त्र एक ही हैं, समान हैं।
- **मैलिनोव्स्की** ने सामाजिक मानवशास्त्र को तुलनात्मक समाजशास्त्र कहा।

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र: अंतर

इवान्स प्रिचार्ड: समाजशास्त्र केवल इस बात का पता लगाने की कोशिश नहीं करता है कि संस्थाएं कैसे कार्य करती हैं, बल्कि यह भी बतलाता है कि वे कैसे परिवर्तित होती हैं, जबकि मानवशास्त्र अपने को इन विचारों से दूर रखता है।

समाजशास्त्र	मानवशास्त्र
• आधुनिक, विकसित, जटिल व सभ्य समाजों का अध्ययन • व्यापक व अवैयक्तिक संगठनों तथा सामाजिक प्रक्रियाओं का अध्ययन • सामाजिक दृष्टिकोण से सामाजिक घटनाओं का अध्ययन	• विशेषतः सरल व आदिम समाजों का अध्ययन • सामान्यतः छोटे आत्मनिर्भर समूहों अथवा समुदायों का अध्ययन • सांस्कृतिक दृष्टिकोण से सामाजिक घटनाओं का अध्ययन

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र

- **संरचनात्मक प्रकार्यवाद**
- **हर्बर्ट स्पेंसर:** सामाजिक डार्विनवाद
- **समनर:** जनरीति (समाज + परंपरा)
- **ब्रोनिस्ला मैलिनोव्स्की:** धर्म का मानवशास्त्रीय अध्ययन
- **ईमाइल दुर्खीम:** अरुण्टा जनजाति का अध्ययन
- **लेवी स्ट्रॉस:** संरचनावाद
- **एम. एन. श्रीनिवास, आंद्रे बेते, एस. सी. दुबे**

समाजशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र

- **सेलर्स:** *'दर्शनशास्त्र एक व्यवस्थित विचार या चिंतन के माध्यम से संसार और स्वयं (मनुष्य) की प्रकृति के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने का निरंतर प्रयत्न है।'*
- दर्शनशास्त्र मानव जीवन और अस्तित्व की प्रकृति के व्यापक विचारों का विश्लेषण करता है। यह वास्तविकता, ज्ञान, मूल्य, नैतिकता, अधिकार, वैधता जैसे सिद्धांतों से संबंधित है। जबकि समाजशास्त्र दिन-प्रतिदिन की सामाजिक घटनाओं, समस्याओं, अंतःक्रियाओं और संबंधों का अध्ययन करता है।

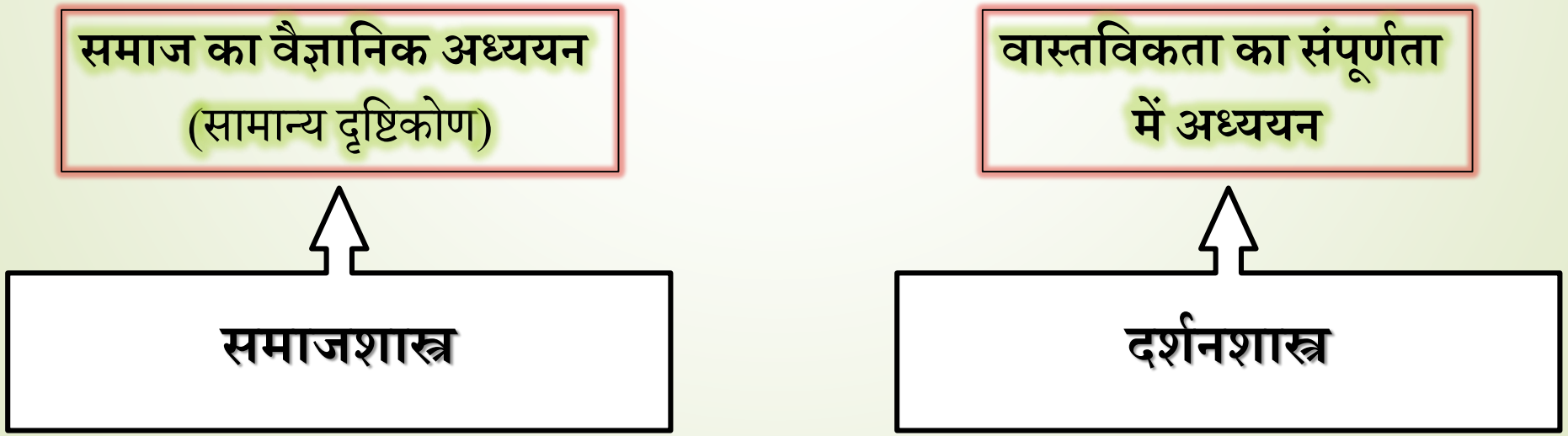

समाजशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र: अंतर्संबंध

- **समाजशास्त्र** का जन्म दर्शनशास्त्रीय महत्वाकांक्षा के साथ हुआ था।
- **दर्शनशास्त्र** संसार और मनुष्य की प्रकृति को समझने का एक प्रयत्न है तथा इस प्रयत्न में **समाजशास्त्र** उल्लेखनीय रूप से योगदान देता है।
- दर्शनशास्त्र में तर्क एवं कल्पना के आधार पर अध्ययन किया जाता है। तर्क एवं कल्पना के आधार पर ही जनरीतियों, रूढ़ियों व परंपराओं का विकास हुआ है, दर्शनशास्त्र सामाजिक आदर्शों व मूल्यों का अध्ययन करता है। समाजशास्त्र इनका अध्ययन सामाजिक पृष्ठभूमि में करता है।

समाजशास्त्र	+	**दर्शनशास्त्र**	=	**सामाजिक दर्शनशास्त्र**
सामाजिक व्यवहारों व अंतःक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन		सत्य व ज्ञान की खोज तथा मानवीय जीवन व संबंधित तथ्यों का अध्ययन		सामाजिक जीवन में परम मूल्यों की व्याख्या तथा व्यक्तियों पर इसके प्रभावों का अध्ययन

समाजशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र: अंतर

समाजशास्त्र	दर्शनशास्त्र
• नवीन विज्ञान • सामाजिक व्यवहार का विश्लेषण सामाजिक तथ्य के रूप में	• अपेक्षाकृत प्राचीन विज्ञान • सामाजिक व्यवहार का विश्लेषण दार्शनिक तरीके से

समाजशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र

- **कार्ल मैनहीम:** ज्ञान का समाजशास्त्र
- **मार्क्सवादी विचारधारा**
- **जाक् दरीदा:** विखंडन का सिद्धांत
- **मिशेल फूको:** विमर्श

- **समाजशास्त्र** अनेक दार्शनिक प्रश्नों को पूछता है तथा उनके जवाब तलाशता है।

Next Class:

समाजशास्त्र तथा सामान्य/व्यवहारिक बुद्धि

(Sociology and Common Sense)